International Disaster Risk Reduction Day:Samarth 2023

On October 4, 2023, in commemoration of the International Day for Disaster Risk Reduction as part of the SAMARTH 2023 initiative (October 1st to October 15th, 2023an impactful nukkadnatak (street play) was performed by Lok Sanskriti Kala Manch. This event was organized collaboratively by the Information and Public Relations Department, Shimla, the District Disaster Management Authority, Sirmour, and the Disaster Management Cell of Shree Guru Gobind Singh Ji Govt College Paonta Sahib.

The noteworthy performance took place under the banner of SAMARTH 2023 aiming to promote disaster awareness and preparedness among the public. Local artists, guided by the District Disaster Management Authority, skilfully blended folk songs and traditional dances to convey the impact of natural disasters that had affected Himachal Pradesh during the current year, particularly emphasizing human factors contributing to these crises.

Furthermore, the street play conveyed essential information regarding earthquake preparedness, underlining the importance of seeking safety in open areas during seismic events and adhering to safety guidelines. The artists passionately urged every citizen of Himachal to actively contribute to the Disaster Management Relief Fund , fostering a sense of communal responsibility for enhancing disaster preparedness.

Esteemed individuals, including Dr. Vibhav Kumar Shukla (Principal of Shri Guru Govind Singh Govt. Degree College, Paonta Sahib), Prof. Vimmi Rani (Coordinator of the Disaster Management Cell of the college), members of the disaster management cell and senior professors, graced the event with their presence. In his closing remarks, Dr. Vibhav Kumar Shukla underscored the necessity for fundamental changes in disaster preparedness strategies and commended the local artists for their dedication.

Professor Vimmi Rani, the program coordinator, expressed her gratitude to all staff members, students, and local artists for their active participation and reiterated the paramount importance of disaster preparedness and readiness among students and the wider community.

PHOTOGRAPH OF NUKKAD NATAK by "Lok Sanskriti Kala Manch"

AN INITIATIVE BY DDMA - SIRMOUR

समर्थ
2023
जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, सिरमौर (हि.प्र.)
आपदा जोखिम न्यूनीकरण "समर्थ-2023" हेतु जन जागरूकता अभियान
"1 अक्तूबर से 15 अक्तूबर 2023"
किसी भी प्रकार के आपात काल/आपदा में सेवा हेतु
दूरभाष :– 01702–226401, 226402, 226403, 226404, 226405 व
1077 (निःशुल्क दूरभाष) पर सम्पर्क करें।
"आपदाओं से रक्षा को, हर व्यक्ति बने समर्थ,
सम्पति भी रहे सुरक्षित, कोई जान न जाए व्यर्थ"
आयोजक :–
जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण,
सिरमौर (हि.प्र.)

MISSION
The motto of our college fully enshrines the mission
शीलवृत फला हि विद्या (shilvrit phala hi vidya
"The Fruit of Learning is Good Character and Righte
The institution's mission is to create awareness that educat
quest and develop individuals who are assets to the cont

MISSION

NEWSPAPER COVERAGE

लोकगीतों एवं लोक नृत्य से दिया प्राकृतिक आपदा का संदेश

पांवटा साहिब। श्री गुरु गोविंद सिंह राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब के परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग शिमला की ओर से जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सिरमौर हिमाचल प्रदेश की ओर से 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ-2023' जन जागरूकता अभियान के चलते एक नुक्कड़ नाटिका का आयोजन किया गया।

लोक कलाकारों ने लोकगीतों एवं लोक नृत्य के माध्यम से हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष आई प्राकृतिक आपदा को लेकर संदेश दिया। संवाद

आपदा से बचने के उपाय बताए

फोकस हिमाचल, पांवटा साहिब

श्री गुरु गोविंद सिंह जी राजकीय महाविद्यालय पांवटा साहिब के परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग शिमला की ओर से जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सिरमौर हिमाचल प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण समर्थ-2023' जन जागरूकता अभियान के चलते एक नुक्कड़ नाटिका का आयोजन किया गया।

लोक कलाकारों ने लोक गीतों एवं लोक नृत्य के माध्यम से हिमाचल प्रदेश में इस वर्ष आई प्राकृतिक आपदा को लेकर जन संदेश विद्यार्थियों को दिया। लोक कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया कि हिमाचल में अधिकतर प्राकृतिक आपदाएं मानव निर्मित हैं। इन लोक कलाकारों ने भूकंप से बचाव के उपायों के बारे में बताया और इस तरह की आपदा के समय हमें खुले स्थान पर चले जाने का संदेश दिया। नुक्कड़ नाटका के माध्यम से उन्होंने यह भी संदेश दिया कि हमें मकान सुरक्षित जगह पर इंजीनियर की सलाह से और भूकंप विरोधी सामग्री से ही बनना चाहिए। हिमाचल के हर नागरिक को चाहिए कि हमें आपदा प्रबंधन राहत कोष में भी कुछ अंशदान जरूर देना चाहिए।

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते लोक कलाकार।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विभव कुमार शुक्ला, महाविद्यालय आपदा प्रबंधन सैल की संयोजिका प्रो. बिम्मी रानी अन्य सदस्य डॉ. जय चंद, प्रो. संदीप , प्रो. नंदिनी कंवर, प्रो. कल्याण राणा, डॉ. पूजा भाटी, प्रो. प्रतिभा, डॉ. रितु पंत, डॉ. मोहन सिंह चौहान, डॉ. ध्यान सिंह तोमर, डॉ. अमिता जोशी, डॉ. किरण बाला, प्रो. रविंद्र शर्मा, रेणु शर्मा, प्रतिभा, रेखा और शीतल शर्मा मौजूद रहीं।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य ने लोक कलाकारों का हौसला बढ़ाया और स्टूडेंट्स से प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए आधारभूत परिवर्तन करने की अपील की। अंतत: कार्यक्रम की संयोजिका प्रो. बिम्मी रानी ने स्टाफ सदस्यों एवं स्टूडेंट्स तथा लोक कलाकारों का धन्यवाद किया और स्टूडेंट्स को प्राकृतिक आपदा से बचाव के लिए सचेत किया।

https://himwanti.in/%E0%A4%97%E0%A5%80%E0%A4%A4-%E0%A4%B5-%E0%A4%A8%E0%A4%BE%E0%A4%9F%E0%A4%95%E0%A5%8B%E0%A4%82-%E0%A4%B8%E0%A5%87-%E0%A4%95%E0%A4%B2%E0%A4%BE%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B0-%E0%A4%86%E0%A4%AA%E0%A4%A6/